डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 02 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 09 अक्टूबर 2023 | मूल्य 2 रुपया

मतदान के लिए जागरुकता हेतु नवाचार

डाक-पार्सल पर वोटिंग के नारे वाली सील

मंदसौर, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मतदाताओं में जागरुकता बढ़ाने के लिए जिला निर्वाचन विभाग ने अनूठा तरीका अख्तियार करते हुए भारतीय डाक विभाग को माध्यम बनाया है। उसके सहयोग से अब मुख्य पोस्ट ऑफिस से निकलने वाली प्रत्येक डाक और पार्सल को मतदाता जागरुकता नारे लिखी सील चस्पा करने के बाद ही डिलीवर किया जा रहा है।

बीते अगस्त माह से जागरुकता सील वाली दो लाख से ज्यादा डाक और पार्सल मतदाताओं तक पहुंच चुकी हैं। इस प्रयोग को अब राज्य निर्वाचन आयोग ने मॉडल बनाकर पूरे प्रदेश में लागू कर दिया है। इससे वोटिंग बढ़ाने में मदद मिलेगी। संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मनोज खत्री ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि इससे वोटिंग बढ़ाने में मदद मिलेगी।

फिर सक्रिय हुए सूदखोर

मुहिम में हो गए थे भूमिगत, वर्ल्ड कप में फिर शुरु हुआ गौरखधंधा

मंदसौर, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कुछ समय पहले सीएम शिवराजसिंह चौहान के निर्देश के बाद सूदखोरों के खिलाफ पुलिस ने मुहिम शुरु की। कई मामले सूदखोरों के खिलाफ दर्ज किए गए। लेकिन पुलिस कार्रवाई ठंडे पड़ते ही सूदखोर धीरे धीरे फिर सक्रिय हो गए है। अब स्थिति वहीं हो गई है। जिलेभर में दस से बीस प्रश ब्याज पर रुपए बांटने वाले गैर लाईसेंसी सूदखोरों का आतंक फिर से चरम पर पहुंच गया है। अभी तक सूदखोरों से पीड़ित किसान सामने आ रहे थे। लेकिन, क्रिकेट वर्ल्ड कप शुरु होते ही युवा भी इनके टॉरगेट पर है। क्रिकेट के सट्टे में भाग्य आजमाने वाले कई युवा अभी तक सूदखोरों के चक्कर में पड़क़र अपनी जान तक गवां चुके हैं।

शहर के साथ ही गांवों में हावी साहूकारी व्यवस्था और किसानों के दर्द को उकेरती कहानी है सवा सेर गेहूं..। मुंशी प्रेमचंद ने इस कहानी में साहूकारी व्यवस्था के बोझ तले लगातार दबाए जा रहे और पीड़ित किए जा रहे किसानों के दर्द को उकेरा और सवाल उठाया कि आखिर कब तक किसान साहूकारों द्वारा कुचला जाता रहेगा। इसी कहानी के किरदार शंकर की तरह ही कई पीड़ित आपको आज भी असल जिंदगी में देखने को मिल जाएंगे। शहर से लेकर देहात तक सूदखोरों का नेटवर्क फैला हुआ है। हाल यह है कि गांव किसान फसल बेचकर कर्ज चुका रहे हैं और शहर में लोग रात दिन मेहनत कर पेट काटकर सूदखोरों को रुपया दे रहे हैं। लेकिन, उनका ब्याज खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। इसके बाद आत्महत्या मजबूरी बन रही है।

किसानों की स्थिति का उठाने लगे फायदा...

हाल ही में अल्पवर्षा और मौसम की बेरुखी से किसानों की सोयाबीन बर्बाद हो गई। कहीं लागत भी नहीं निकली तो कहीं शत प्रतिशत नुकसान झेलना पड़ा। इधर सरकार से भी कोई मुआवजा या सहायता नहीं मिली। अब अगली फसल के लिए कर्ज जरुरी हो गया। पुराने घाटे से उभरने और नई फसल के लिए रुपयों की जरुरत पड़ रही है। ऐसे में फिर से सूदखोर किसानों की स्थिति का फायदा उठाने की ताक पर है।

दस से बीस प्रतिशत प्रतिमाह का ब्याज...

सूदखोर लोगों को दस से बीस प्रतिशत महीने ब्याज दर पर पैसा देते हैं। इनमें ज्यादातर अवैध रूप से सूदखोरी का धंधा कर रहे हैं। इनके चंगुल में फंसे कुछ लोग तो ऐसे हैं, जिन पर इस कदर ब्याज चढ़ गया है कि अब उसे चुकाना उनके लिए मुश्किल है। जिले में करीब उंगलियों पर गिनने लायक लाइसेंसी साहूकार हैं, लेकिन अवैध रूप से यह धंधा करने वालों की संख्या सैकड़ों में है। जिनका सूदखोरी का धंधा बेरोकटोक चल रहा है। सूदखोरों के चंगुल में फंसने के बाद कम ही कर्जदार उनके जंजाल से बाहर आ पाते हैं। अधिकतर तो ब्याज ही भरते रह जाते हैं। सूदखोर रकम और ब्याज की वसूली के नाम पर कर्जदार को जमकर लूटते हैं। ब्याज इतना ज्यादा हो जाता है कि कर्जदार का जेवर, मकान, प्लाट तक लोग बेचकर सूदखोरों को रुपया देते हैं।

यह हो रहा अभी...

✻ 4000 हजार रुपए तक पैनल्टी वसूलते हैं, यदि समय पर रकम चुकाई जाए। ज्यादा होने पर प्रोपर्टी भी हड़प लेते हैं। ✻ 200 सेज्यादा लोग जुड़े हुए हैं सूदखोरी के कारोबार से ✻ 2.5 करोड़ रुपए का हर दिन होता है कारोबार ✻ 10 गुना रकम औसतन हर सौदे में वसूलते हैं सूदखोर। ✻ बीस रुपए सैकड़ा तक कर्जदारों से वसूलते हैं ब्याज।

इस तरह बनाते हैं अपना खौफ...

दस से बीस रुपए सैकड़ा पर पैसा लेने वाले दो तरह के लोग होते हैं। एक पारिवारिक खर्च से दबा आदमी और दूसरा गैर कानूनी धंधा करने वाला। दोनों ही काम में पैसा वसूलना ज्यादा मुश्किल काम होता है। इसलिए ब्याज भी कई गुना वसूला जाता है। ताकि मूल रकम के डूबने का खतरा कम से कम हो। जमीन के कागज या फिर खाली स्टांप पर हस्ताक्षर करवा कर रख लेते है। तीन खाली चेक भी रखते हैं। पार्टी देर करती है तो घर पहुंच जाते हैं। चेक बाउंस की धमकी देते हैं। पैसा नहीं देता तो प्रोपटी नाम कर लेते हैं।

स्थापना के 17 वर्ष पूर्ण होकर 18वें वर्ष में हुआ मंगलमय प्रवेश, प्रबुद्धवर्ग सहित स्नेहीजन हुए उत्सव में शामिल...

उत्सवी माहौल में मना गुरु एक्सप्रेस का स्थापना दिवस

अपनों के द्वारा बधाईयां व उत्तरोत्तर प्रगति की शुभकामनाओं का चलता रहा सिलसिला

मंदसौर, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जन-जन की आवाज को उठाने और सच्चाई को सामने लाने के रूप में अपनी पहचान बना चुके दैनिक **गुरु एक्सप्रेस** का 17वां स्थापना दिवस उत्सवी माहौल और अपनों के बीच रविवार को मना। हम चाहते हैं कि हमारे पाठक को सही सूचना और लगातार अपडेट किया जाता रहे, इसी के चलते हमारे पाठकों ने भी हमें प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से बधाईयां प्रेषित की। रविवार को **गुरु एक्सप्रेस** अखबार के स्थापना के 18वें वर्ष में प्रवेश करने के शुभ असर पर कार्यालय के बाहर दीवाली जैसी रंगगिरंगी आतिशबाजी की गई। यहां अपनों के आने का सिलसिला चलता रहा। स्थापना दिवस का यह उत्साह यादगार लम्हों को चिन्हित कर गया। अपनों द्वारा दी गई बधाइयां व उत्तरोत्तर प्रगति की शुभकामनाओं से **गुरु एक्सप्रेस** परिवार सभी का कृतज्ञ रहा। स्थापना दिवस का उत्सव ठीक शाम 7 बजे से शुरू हुआ, जिसके बाद से ही शहर व आसपास क्षेत्र से प्रबुद्धजनों एवं स्नेहीजनों का आने का सिलसिला चलता रहा। सभी ने अपने तय अपनत्व की शुभकामनाएं प्रेषित की। बधाइयां देने वालों में प्रमुख रूप से मंदसौर विधायक **श्री यशपालसिंह सिसौदिया**, नपाध्यक्ष प्रतिनिधि एवं भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री बंशीलाल गुर्जर**, **श्री मानसिंह माच्छोपुरिया**, रेडक्रॉस सोसायटी चेयरमेन **श्री रिप्पी चावला**, **श्री अनिल कियावत**, नपा उपाध्यक्ष **श्रीमती नम्रता चावला**, जिला कांग्रेस अध्यक्ष **श्री विपीन जैन**, कांग्रेस नेता **श्री राजेश रघुवंशी**, **श्री महेन्द्रसिंह गुर्जर**, **श्री मनजीतसिंह मनी**, **श्री राघवेन्द्रसिंह तोमर**, **श्री दीपकसिंह चौहान** शामिल रहे, जिन्होंने कार्यालय पर अपनत्व की बातें साझा की।

रविवार को **गुरु एक्सप्रेस** कार्यालय पर शुभचिंतकों, स्नेहीजनों द्वारा बधाइयां व शुभकामनाएं देने का सिलसिला चलता रहा। इस दौरान शाम के समय प्रफुल्लित स्नेहीजनों ने आतिशबाजी कर खुशी प्रकट की। पूनम कुछ ही दिन बाद आने वाली है, लेकिन एक तरह से दीवाली त्यौहार जैसा अहसास रहा। शहर के अनेक प्रबुद्धजनों एवं स्नेहीजनों ने **गुरु एक्सप्रेस** कार्यालय पहुंचकर शुभकामनाएं दी। सुधी पाठकों के अपने **गुरु एक्सप्रेस** का 17वां स्थापना दिवस हर्ष एव उत्साह के साथ मनाया गया। इस गरिमामयी दिवस के साक्षी शहर के अनेक प्रबुद्धजन बने। शुभचिंतकों ने शिरकत कर **गुरु एक्सप्रेस** परिवार को ऊंचाइयों पर जाने की शुभकामनाएं प्रेषित की। अपनत्व के साथ पारिवारिक माहौल में **गुरु एक्सप्रेस** के सम्पादक **आशुतोष नवाल**, प्रबंधक **आशीष नवाल** का स्नेहीजनों एवं शुभचिन्तकों ने अभिवादन कर बधाईयां दी। इस अवसर पर अखबार के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं ज्ञापित की गई। इसी तरह बधाईयों का सिलसिला रात्रि तक चलता रहा। कार्यालय पर आकर अनेक स्नेहीजनों, जन प्रतिनिधियों, समाज के गणमान्य लोगों ने **दैनिक गुरु एक्सप्रेस** परिवार को उत्साह एवं उमंग के साथ उत्तरोत्तर प्रगति की शुभकामनाएं दी।

7 अक्टूबर को प्रिन्टिंग यूनिट को भी पूर्ण हुए 10 वर्ष पूर्ण

8 अक्टूबर को **दैनिक गुरु एक्सप्रेस** का स्थापना दिवस प्रधान कार्यालय मंदसौर पर आए स्नेहियों ने संपादक **आशुतोष नवाल** एवं प्रबंधक **आशीष नवाल** को फूलमाला पहनाकर अभिनंदन किया। उत्साह से रंगबिरंगी आतिशबाजी भी की गई। रविवार सुबह से रात्रि तक स्नेहीजनों ने **गुरु एक्सप्रेस** परिवार को लगातार इसी तरह कदम दर कदम सफलता प्राप्त करने की शुभकामनाएं अपने शब्दों में दी। इस दौरान समाजसेवी एवं राजनीतिक तथा प्रशासनिक क्षेत्र की अनेक हस्तियां मौजूद रही। जो शुभ चिन्तक किन्हीं कारणों से नहीं आ सके, उन्होंने फोन पर शुभकामनाएं एवं बधाईयां प्रेषित की। आपको यह बताने में भी हर्ष हो रहा है कि 7 अक्टूबर को **गुरु एक्सप्रेस** की **प्रिंटिंग यूनिट** को भी 10 वर्ष पूर्ण हो गए हैं, यूनिट का यह 11वां स्थापना दिवस था, जिसकी भी सभी महानुभावों ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

नवरात्रि में फायनल होंगे कांग्रेस प्रत्याशी

मंदसौर, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। दिल्ली में बैठक के बाद आज या कल में सुवासरा और गरोठ विस क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशियों की घोषणा होने की संभावना बनी थी। लेकिन, फिलहाल थोड़ा और इंतजार करना होगा। अब नवरात्रि में कांग्रेस सूची जारी होने की संभावना बताई जा रही है। दिल्ली में बैठक के दौरान करीब 140 सीटों पर चर्चा हुई। लेकिन, बैठक में किसी भी नाम पर मुहर नहीं लगी। सूत्रों का दावा है कि जिन नेताओं के नाम सिंगल पैनल में हैं, उन पर सहमति जताते हुए चुनाव मैदान में उतारे जाने का निर्णय लिया। इनमें मौजूदा विधायकों की संख्या सर्वाधिक है। करीब आधा दर्जन पूर्व विधायक भी शामिल हैं। कांग्रेस उम्मीदवारों की पहली सूची अगले हफ्ते यानी नवरात्रि में आने की संभावना जताई जा रही है।

केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक नवरात्रि के पहले फिर से होगी। इसके पहले 11 अक्टूबर को मध्यप्रदेश स्क्रीनिंग कमेटी की... **शेष पेज 4 पर**

विचार-मंथन

संभावित हादसों से निपटने की तैयारी जरूरी

उत्तरी सिक्किम में तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आने से मची तबाही चिंतित करने वाली है। वहां ल्होनक झील के ऊपर बादल फटने से काफी नुकसान हुआ है। सड़कें तो टूटी ही हैं, सैन्य प्रतिष्ठानों को भी नुकसान पहुंचने की खबरें हैं। तीन-चार अक्तूबर की दरमियानी रात में दक्षिण ल्होनक झील पर बादल फट गया था जिससे तीस्ता नदी बेसिन में बाढ़ आ गई। बाढ़ में बह गए लोगों में से 14 की मौत हो गई और 22 सैन्य कर्मियों समेत 102 लोग लापता हो गए। स्वाभाविक रूप से अभी सबसे ज्यादा ध्यान लापता सैनिकों व अन्य की तलाश करने और यह सुनिश्चित करने पर दिया जा रहा है कि जहां भी जरूरी हो जल्द से जल्द मदद पहुंचाई जाए। ऊपरी इलाकों में लगातार बारिश से जलस्तर बढ़ रहा है। राहत एवं बचाव अभियान में दिक्कत आ रही है। कई जगह रास्तों में पर्यटक फंसे हुए हैं। उत्तरी सिक्किम का यह प्रभावित इलाका भारत-नेपाल सीमा के करीब पड़ता है। भौगोलिक तौर पर इस जगह को संवेदनशील बताया जाता रहा है। दो साल पहले एक अध्ययन में चेताया गया था कि भविष्य में सिक्किम में दक्षिण ल्होनक झील फट सकती है। वर्ष 2021 में हुआ अध्ययन जर्नल 'जियोमोर्फोलाजी' में प्रकाशित हुआ था। इसमें रेखांकित किया गया था कि दक्षिण ल्होनक झील का स्तर हिमनद के पिघलने की वजह से बीते एक दशक में खासा बढ़ा है और हिमनद झील के फटने से बाढ़ (जीएलओएफ) का खतरा बढ़ गया है। हिमनद झील के फटने से बाढ़ तब आती है जब हिमनद के पिघलने से बनी झील में अचानक बाढ़ आ जाए। अध्ययन के मुताबिक, 1962 से 2008 के बीच 46 साल में हिमनद करीब दो किलोमीटर पीछे हट गए हैं और यह 2008 से 2019 के बीच तकरीबन चार सौ मीटर और पीछे चले गए हैं। हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी) के मुताबिक, सिक्किम में 733 हिमनद झीलें हैं और 288 झीलें 5000 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर स्थित हैं। दक्षिण ल्होनक झील समुद्र तल से 5200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह झील ल्होनक हिमनद के पिघलने से बनी है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की और भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलुरु के शोधार्थियों ने पाया है कि ये झीलें मुख्यतः सुदूर और पर्वतीय घाटियों में स्थित हैं लेकिन निचले बहाव क्षेत्र में 10 किलोमीटर तक जान और माल का नुकसान कर सकती हैं।शोध रिपोर्टों में लगातार चेतावनी दी जाती रही है कि वर्तमान और भविष्य में हिमनद टूटने से होने वाले परिवर्तनों से जुड़े खतरे का मूल्यांकन करना जरूरी है। इसी साल मार्च महीने में संसद में पेश की गई एक रपट में बताया गया था कि हिमालय के तमाम हिमनद अलग-अलग दर से, लेकिन तेजी से पिघल रहे हैं और इस वजह से हिमालय की नदियां किसी भी समय बड़ी प्राकृतिक आपदा का कारण बन सकती हैं। यह सही है कि जलवायु परिवर्तन वैश्विक मसला है और किसी एक देश की सरकार अकेले ज्यादा कुछ नहीं कर सकती। फिर भी बड़े और संवेदनशील हिमनदों की स्थिति पर लगातार नजर रखते हुए संभावित हादसों से निपटने की तैयारी जरूर की जा सकती है। लोगों को अपेक्षाकृत ज्यादा जागरूक रखा जा सकता है। हादसे भले न टाले जा सकें, लेकिन नुकसान जरूर कम किया जा सकता है। लेकिन सिक्किम की आपदा के मामले में जाहिर है ऐसा नहीं हो सका।

आठवां महाद्वीप ही नहीं आठवां अजूबा है जीलैंडिया

संदीप अग्रवाल

पिछले दो सौ सालों से हम इतिहास और भूगोल की किताबों में यही पढ़ते आए हैं कि पृथ्वी पर सात महाद्वीप हैं। लेकिन, हाल ही में वैज्ञानिकों ने एक नए महाद्वीप जीलैंडिया का मानचित्र जारी किया है। भू-वैज्ञानिक 1995 से इसकी खोज में लगे थे। उन्हीं दिनों कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले के भूगोलविद् ब्रूस ल्यूएंडिक ने इस क्षेत्र को जीलैंडिया नाम दिया था। भू-वैज्ञानिकों की टीम को इसे आठवें महाद्वीप के रूप में स्वीकार करने और इसकी आधिकारिक घोषणा करने में 22 साल लग गए। 2017 में निक मोर्टिमर के नेतृत्व वाली टीम ने जीएसए टुडे जर्नल में एक पेपर प्रकाशित किया जिसमें उन्होंने तर्क दिया कि जीलैंडिया एक महाद्वीप के लिए निर्धारित सभी मानदंडों को पूरा करता है। उन्होंने इस तथ्य की ओर इशारा किया कि जीलैंडिया का एक विशिष्ट भू-वैज्ञानिक इतिहास, एक अनूठा पारिस्थितिकी तंत्र और एक अच्छी तरह से परिभाषित सीमा है, जिसके आधार पर पूरे विश्वास के साथ इसे एक महाद्वीप कहा जा सकता है। इसके बाद भू-वैज्ञानिकों ने इसका संभावित मानचित्र बनाना शुरू कर दिया। इसी का अद्यतन संस्करण बीते सप्ताह सार्वजनिक किया गया है। क्षेत्रफल में लगभग आस्ट्रेलिया के बराबर, जीलैंडिया की खोज संभव हुई सैटेलाइट इमेजरी और मैपिंग टेक्नोलॉजी में हुई प्रगति की बदौलत, जिसकी मदद से खोजकर्ताओं को न्यूजीलैंड से न्यू कैलेडोनिया के बीच फैले समुद्र की सतह से झांकते इस महाद्वीप के एक बड़े हिस्से को पहचानना संभव हो सका। जीलैंडिया की खोज में मददगार बनी प्रमुख प्रौद्योगिकियों में पहली है, सैटेलाइट अल्टीमेट्री। यह तकनीक उपग्रहों का उपयोग कर समुद्र की सतह की ऊंचाई मापती है। यह ऊंचाई मापकर वैज्ञानिक उन क्षेत्रों की पहचान कर सकते हैं जहां समुद्रतल आसपास के क्षेत्र से ऊंचा या नीचा है। दूसरी तकनीक ओशन जिओफिजिक्स है। इसके अंतर्गत समुद्र तल के नीचे पृथ्वी की परत का अध्ययन किया जाता है और उन क्षेत्रों की पहचान कर सकते हैं जहां यह परत बेहद मोटी या पतली है। इन तकनीकों के उपयोग से वैज्ञानिकों के लिए दक्षिण प्रशांत महासागर में समुद्र तल का एक विस्तृत नक्शा बनाना संभव हुआ। इस मानचित्र से महाद्वीपीय परत के एक बड़े क्षेत्र का पता चला जो पहले अज्ञात था। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि जीलैंडिया कभी सुपरकॉन्टिनेंट गोंडवाना का हिस्सा था, जिसमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अमेरिका, अंटार्कटिका और अफ्रीका शामिल थे। गोंडवाना लगभग 18 करोड़ साल पहले टूटना शुरू हुआ और अंततः जीलैंडिया ऑस्ट्रेलिया और अंटार्कटिका से अलग हो गया। लगभग 10.5 करोड़ साल पहले जीलैंडिया प्रशांत महासागर में डूबने लग गया था और इसके बाद के करीब आठ करोड़ सालों में यह पूरी तरह समुद्र के गर्भ में समा गया। 380 साल पहले वर्ष 1642 में डच व्यापारी और नाविक एबेल तस्मान ने इस जगह का अंदाजा लगा लिया था और वह इस विशाल दक्षिणी महाद्वीप पर जाना भी चाहते थे। वह आज के न्यूजीलैंड तक पहुंचने में सफल रहे लेकिन वहां के द्वीपों पर बसे माओरी लोगों के हमले के कारण उन्हें द्वीप पर उतरने का अवसर नहीं मिला और लौटना पड़ा।

करोड़ों साल से जलमग्न इस द्वीप के अस्तित्व का विचार हमेशा हमें आंदोलित करता रहा, जो ढाई करोड़ साल से समुद्र की सतह से एक से दो किलोमीटर की गहराई पर आराम से सोया हुआ था। 1820 में रूसियों द्वारा अंटार्कटिका महाद्वीप की खोज के दो सदियों बाद, करीब 49 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल वाले जीलैंडिया की खोज काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बेशक अभी भी इसका 94 प्रतिशत हिस्सा समुद्र के भीतर ही छिपा हुआ है, लेकिन वैज्ञानिक इस इस खोज से बहुत रोमांचित और आशान्वित हैं। उन्हें लगता है कि यह खोज न सिर्फ हमें पृथ्वी के जिओलाजिकल इतिहास और विकासक्रम को समझने में मददगार साबित होगी, बल्कि मानवजाति के लिए भी संभावनाओं के नए द्वार खोल सकती है। लेकिन, जैसा कि हर नई खोज के साथ होता है, जीलैंडिया के सामने आने से अगर बहुत सारी आशाएं जगी हैं तो कई तरह की आशंकाएं और चिंताएं भी सिर उठाने लगी हैं। आज हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जब अधिकतर भूभाग में इंसानी आबादी तरह-तरह के जलवायु खतरों का सामना कर रही है, कहीं समुद्र के जलस्तर में वृद्धि तो कहीं तापमान में। विश्वबैंक के मुताबिक जलवायु परिवर्तन की समस्या के चलते क्लाइमेट रिफ्यूजियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जो वर्ष 2050 तक बढ़कर 21.6 करोड़ हो जाएगी। इन विस्थापितों को बसाने के लिए जीलैंडिया एक आदर्श गंतव्य बन सकता है। इसके अलावा इस क्षेत्र में भारी मात्रा में प्राकृतिक संसाधनों, खनिजों और कीमती पदार्थों के होने की संभावना जताई जा रही है। इस लिहाज से भी यह मानव जाति की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने में काफी मददगार सिद्ध हो सकता है। हालांकि, ये सिर्फ संभावनाएं हैं। इन्हें लेकर मुदित होने की बजाए हमारे लिए उन चुनौतियों के बारे में यथार्थवादी होना ज्यादा जरूरी है, जो इस महाद्वीप पर स्थायी बस्तियां स्थापित करने की हमारी महत्वाकांक्षाओं के आड़े आ सकती हैं। जैसे कि पहली बाधा तो दूरी ही है। जीलैंडिया दक्षिण प्रशांत महासागर के मध्य में स्थित है, और अन्य प्रमुख भू-भागों से बहुत दूर है। इससे इस महाद्वीप तक लोगों और सामानों का परिवहन कठिन और काफी खर्चीला विकल्प हो सकता है। दूसरी समस्या है कि इसे रहने योग्य बनाने के लिए हमें यहाँ सड़कें, हवाई अड्डे और बिजली ग्रिड जैसे बुनियादी ढांचे विकसित करने की जरूरत होगी, जिसकी वजह से यहाँ की मौजूदा जैवविविधता और पारिस्थितिकी खतरे में पड़ सकती है। तीसरी समस्या यह है कि हमें यहाँ की वास्तविक परिस्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं के प्रति क्षेत्रीय संवेदनशीलता के बारे में कुछ भी पता नहीं है, हो सकता है कि यह ऐसा क्षेत्र हो, जहाँ भूकंप और सुनामी आदि का खतरा अपेक्षाकृत अधिक हो। इस द्वीप को आबाद करने के प्रयासों को संरचनागत और प्राकृतिक चुनौतियों के अलावा कई प्रकार की भू-राजनीतिक चुनौतियों का सामना भी करना पड़ सकता है। जैसे सबसे पहला प्रश्न तो यही उठेगा कि इस विशाल द्वीप पर, इस पर मौजूद संसाधनों पर, इसकी संभावित संपदाओं पर किसका अधिकार होगा। जहाँ तक समुद्र पर स्वामित्व का प्रश्न है, तो समुद्रों और महासागरों को ग्लोबल कॉमन्स माना जाता है, जिसका अर्थ है कि उनका कोई स्वामी नहीं है। अपनी समग्रता में वे सभी के हैं। फिर भी संभावित विवादों से बचने के लिए यूनाइटेड नेशन्स कन्वेंशन ऑन लॉ ऑफ द सी (अनक्लॉस) मौजूद है। 95 प्रतिशत जीलैंडिया अभी समुद्र के भीतर गहराई में डूबा हुआ है। जब यह पूरा बाहर आ जाएगा तो इसके सबसे करीबी देश आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और फ्रांसीसी आधिपत्य वाले न्यू कैलेडोनिया होंगे, जो इससे क्रमशः 2500, 600 और 400 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं।

मप्र में भी महत्वपूर्ण हुई ओबीसी वोट की राजनीति

सिद्धार्थ शंकर गौतम

हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश के शाजापुर में ओबीसी आरक्षण और जातिगत जनगणना पर बोलते हुए कहा, हिंदुस्तान को 90 अफसर चलाते हैं। यह लोग कानून बनाते हैं। कितना पैसा कहां जाना है, यह तय करते हैं। बीजेपी की दस साल से सरकार है। ओबीसी की आबादी कितनी है, इसका जवाब किसी के पास नहीं है। जातिगत जनगणना नहीं हुई है। ओबीसी की आबादी हिंदुस्तान में लगभग 50 प्रतिशत है। 90 अफसरों में सिर्फ तीन अफसर ओबीसी के हैं। यह देश की सच्चाई है। ओबीसी राजनीति को हवा देते हुए राहुल गांधी ने आगे कहा कि हिंदुस्तान का बजट लाखों-करोड़ों का है। ओबीसी अफसर की भागीदारी बजट में कितनी है? यह कितने रुपये पर निर्णय लेते हैं? तकरीबन 43 लाख करोड़ रुपये का बजट है। किसी को पता ही नहीं है। सच्चाई यह है कि हिंदुस्तान के पूरे बजट में पांच प्रतिशत की भागीदारी ओबीसी के अफसरों के हाथ में है। सही में मोदी ओबीसी के लिए काम करते हैं तो 90 अफसरों में उनकी संख्या तीन क्यों है? ओबीसी की जेब से पैसा चोरी हो रहा है। राहुल गांधी के भाषण के अगले दिन ही बिहार सरकार ने जातिगत जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक कर देश की राजनीति में उबाल ला दिया है। उबाल तो मध्य प्रदेश की राजनीति में भी आया है जहां अब ओबीसी केन्द्रित चुनाव होना तय है। 2018 के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के एक बयान माई का लाल ने 15 वर्ष बाद प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनवा दी थी। गौरतलब है कि 2018 में आरक्षण विवाद के चलते अनुसूचित जातियों और सवर्ण जातियों का बड़ा हिस्सा सरकार से नाराज हो गया था। हालांकि डेढ़ वर्ष पश्चात ही मध्य प्रदेश में पुनः भाजपा की सरकार बनी किन्तु उसके बाद सरकार ने जातीय समीकरण साध लिए। मध्य प्रदेश में उत्तर भारतीय राज्यों की भांति जातिवाद राजनीति में कम ही घुला था किन्तु 2023 के विधानसभा चुनाव अब इससे अछूते नहीं रहे हैं। बीते एक वर्ष में भाजपा और कांग्रेस ने जमकर जातीय सम्मेलन किए हैं। यहां तक कि दोनों ही राजनीतिक दलों ने जातियों के हिसाब से उनके महापुरुषों की जयंती और पुण्यतिथि पर सार्वजनिक अवकाश की चुनावी घोषणा भी कर दी है। 2011 की जनगणना के अनुसार मध्य प्रदेश की जनसंख्या में 21.1 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति और 15.6 प्रतिशत अनुसूचित जाति की हिस्सेदारी है जबकि प्रदेश की 50.09 प्रतिशत जनसंख्या अन्य पिछड़ा वर्ग की है। 230 सीटों वाली विधानसभा में कुल 82 सीटें (47 अनुसूचित जनजाति और 35 अनुसूचित जाति) इन वर्गों के लिए आरक्षित हैं। विंध्य क्षेत्र सवर्ण बहुल है तो चंबल पिछड़ी जातियों का गढ़ है। मालवा-निमाड़ वनवासी बहुल क्षेत्र है तो मध्य भारत और महाकोशल संभाग में ओबीसी अधिक हैं। ऐसे में हर क्षेत्र के हिसाब से राजनीतिक दलों को अपनी गोटियां फिट करना पड़ रही हैं। प्रदेश की 20-25 अनारक्षित विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां राजनीतिक दल जीतने के लिए सवर्ण के बजाए ओबीसी प्रत्याशी उतारते रहे हैं। इस बार ओबीसी कार्ड के चलते ऐसी सीटों पर और अधिक ओबीसी प्रत्याशी उतारना मजबूरी बन गई है। प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री कांग्रेस नेता स्व. पंडित रविशंकर शुक्ल (1952-56) से लेकर प्रदेश के सातवें मुख्यमंत्री कांग्रेस नेता स्व. श्यामा चरण शुक्ल (1969-72,1975-77) तक प्रदेश की राजनीति ब्राह्मणों के इर्द-गिर्द घूमती रही जिसका तिलिस्म स्व. अर्जुन सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल में टूटा और प्रदेश में राजपूत समुदाय की राजनीति हावी होने लगी जिसे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जमकर हवा दी। 2003 में भाजपा नेतृत्व ने ओबीसी में आने वाली लोधी जाति की उमा भारती को कमान सौंपी और उसके बाद बाबूलाल गौर (यादव) तथा शिवराज सिंह चौहान (किरार) के चलते उसे पिछड़ी जातियों का भरपूर समर्थन प्राप्त हुआ। हालांकि मध्य प्रदेश में जातीय जनगणना के संभावित परिणाम और आरक्षण को लेकर अभी उतनी चर्चा नहीं है जिसके चलते यह वर्ग भाजपा से जुड़ा हुआ है।

हर बच्चा एक सा नहीं होता, यह मां-बाप को समझना होगा

राजस्थान के कोटा शहर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लगे छात्रों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। वहां की कोचिंग संस्थानों में दाखिला कराए अभिभावकों की बेचैनी खत्म करने को स्थानीय प्रशासन ने जो फौरी कदम उठाया है, वह यह है कि अगले दो महीने तक आंतरिक टेस्ट पर रोक लगा दी गई है। परीक्षा में शामिल होने से पहले कोचिंग संस्थान आंतरिक टेस्ट के जरिए आंकलन करते हैं कि छात्र सम्बंधित परीक्षा के लिए कितना तैयार हुआ है? उसके रिजल्ट सार्वजनिक किए जाते हैं। यहीं से छात्रों पर मानसिक दबाव का दौर शुरू होता है। दबाव दो तरह के होते हैं। एक तो समकक्ष छात्रों के बीच आगे-पीछे होने का और दूसरा परिवार की आर्थिक स्थिति का ख्याल आने का। यह पाया गया है कि जो छात्र आत्महत्या कर रहे हैं, उनमें से ज्यादातर मध्य या निम्न मध्य परिवार के ही होते हैं। अपने ख्वाबों को हकीकत में तब्दील करने के लिए उनके माता-पिता अपनी तमाम जरूरतों पर पहरा बिठाते हुए, यहां तक कि कर्ज लेकर अपने बच्चों को यहां की कोचिंग में दाखिल कराते हैं। कहा जा रहा है कि दो महीने आंतरिक टेस्ट पर रोक छात्रों को भी तनाव के दौर से बाहर निकालने में मददगार होगी। लेकिन क्या इसे स्थायी समाधान कहा जा सकता है? इसका जवाब है- कतई नहीं। कोचिंग संस्थानों के लिए एक नियमित अंतराल पर अपने छात्रों को परखना जरूरी होता है। वे अभिभावकों से मोटी रकम वसूलते हैं, इस वजह से उन पर भी रिजल्ट देने का दबाव भी होता है। उनकी सारी दुकानदारी ही, इस आभामंडल पर टिकी हुई है कि 'वे कामयाबी की गारंटी हैं। उनके यहां अपने बच्चे को दाखिल कराने का मतलब बहुत हद तक कामयाबी के लिए सुनिश्चित हो जाना है।' सरकारी तंत्र भी इस पसोपेश में है कि कोचिंग संस्थानों को लेकर ऐसा क्या रास्ता निकाले क्योंकि अभिभावक खुद अपने बच्चों को लेकर उन तक पहुंचते हैं। ऐसा संभव भी नहीं कि सिरे से कोचिंग संस्थानों को बंद करने का आदेश जारी कर दिया जाए। दरअसल इस समस्या का समाधान खुद अभिभावकों के बीच से ही खोजा जा सकता है। हाल के वर्षों में एक नया ट्रेंड देखने को मिला है। एक वक्त हुआ करता था, जब ऊंचे पद साधन सम्पन्न परिवारों के लिए ही आरक्षित मान लिए जाते थे। लेकिन अब बहुत ही साधारण परिवारों के बच्चे बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में कामयाबी हासिल कर रहे हैं। इस वजह से अब साधारण परिवारों में भी अपने बच्चों के बड़े पदों पर पहुंचने के ख्वाब देखे जाने लगे हैं और यहीं से माता-पिता का अपने बच्चों पर दबाव बढ़ने लगा है। छोटी कक्षाओं से ही माता-पिता अपने बच्चों की तुलना करने शुरू कर देते हैं। जिस दिन कॉपियां दिखाने का दिन होता है, ज्यादातर माता-पिता अपने बच्चे की कॉपियां देखने से ज्यादा दूसरे बच्चों का रिजल्ट जानने में दिलचस्पी रखते हैं। जैसे ही उन्हें पता चलता है कि उनका बच्चे ने दूसरे के मुकाबले कम अच्छा प्रदर्शन किया है, उनकी डांट-फटकार का सिलसिला शुरू हो जाता है। घर आए मेहमानों के बीच या दूसरे किसी अवसरों पर माता-पिता अपने बच्चों की पढ़ाई की तुलना दूसरे बच्चों से करते हुए दिखते हैं। यहीं से बच्चों में हीन भावना के साथ-साथ तनाव की प्रवृत्ति पैदा होती है। कोटा या किसी दूसरे शहर भेजने से पहले माता-पिता को यह जरूर समझना होगा कि हर बच्चा एक सा नहीं होता। हर बच्चे की क्षमता अलग-अलग होती है। कोटा या कोई दूसरा शहर या कोचिंग संस्थान कोई मशीन नहीं है।

कैलाश विजयवर्गीय ने कहा– मैं सिर्फ विधायक बनने नहीं आया हूं

आज का राशिफल

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5018

	4			1			6	
9		6	5		2			4
						9	5	
3	2						8	
1			7	5	9			2
	9						1	5
	7	4						
6			4		8	5		1
	5			2			9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5017

2	5	4	8	9	7	6	3	1
3	6	7	2	4	1	9	8	5
8	1	9	3	6	5	7	4	2
7	4	8	1	3	6	2	5	9
6	2	1	5	8	9	4	7	3
5	9	3	7	2	4	1	6	8
4	8	2	6	1	3	5	9	7
9	3	5	4	7	2	8	1	6
1	7	6	9	5	8	3	2	4

वर्ग पहेली 5018

संकेतः बाएं से दाएं

1. हिंदी और उर्दू के भारतीय लेखकों में अद्वितीय लेखक (मूल नाम धनपत राय श्रीवास्तव ने 8 अक्टूबर 1936 को इस दुनिया से अलविदा कहा) (4)
5. पदक, मैडल (3)
6. सहसा, अकस्मात, एकाएक (4)
8. चाप, धनुष, प्रत्यंचा, ज्या (3)
9. सारा के सारा, समस्त, पूरा (2)
10. अंतरात्मा, मन, अंतःकरण, हृदय (3)
12. बर्फ शब्द का अपभ्रंश (3)
13. लगातार घंटा बजने से होने वाला टन-टन शब्द (4)
15. स्याही को अंग्रेजी में यह कहते हैं (2)
17. पदार्थ का मुख्य और मूल अंश, सत, पदार्थ सार (2)
18. न टलने वाला, अटल, स्थाई (3)
19. हवा, समीर, समीर (3)
20. नामकरण करना, नाम कर्म करना, नाम देना (4)

ऊपर से नीचे

1. प्रेस का स्वामी होने के कारण धनपत राय को यह भी कहते है (4)
2. मेरा या मेरी (2)
3. स्वास्थ्य करना, नीरोग करना (5)
4. 1962 की निर्देशक महबूब खान की फिल्म जिसमें मास्टर साजिद, और कुमकुम आदि की भूमिकाएँ थी (7)
6. बिगाड़, झगड़ा, झंझट (4)
7. अव्यक्त मधुर ध्वनि, बीता या आने वाला दिन (2)
11. लंबाई नापने हेतु मात्रिक प्रणाली की एक इकाई (3)
14. छूकर पता लगाना, तलाश करना, मन की थाह लेना (4)
16. किनारे पर, पास, समीप, मेंड़ (3)
17. सम्राज्ञी, पुरानी फिल्मों की एक दिवंगत अभिनेत्री (3)
18. स्त्री, नारी (3)

वर्ग पहेली 5017 का हल

किसानों को होगा बंपर लाभ, डबल इंजन की सरकार ने मोटे अनाज के उत्पाद को दिया टैक्स में छूट

मध्य प्रदेश मिलेट्स स्टेट मिशन से किसानों को 80 प्रतिशत तक अनुदान

भोपाल, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। केंद्र सरकार की ओर से मोटे अनाज की पैदावर करने वाले किसानों के लिए एक बड़ी घोषणा की गई है। जीएसटी काउंसिल की बैठक में केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमति निर्मला सीतारमण ने कहा कि मोटे अनाज यानी मिलेट्स के उत्पादों को काउंसिल ने इन प्रोडक्ट्स पर जीएसटी की दर को 18 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया है। जीएसटी परिषद की फिटमेंट समिति ने पहले मोटे अनाज के पाउडर को जीएसटी से छूट देने की सिफारिश की थी।

मध्य प्रदेश के किसानों को मिलेगा लाभ –मध्य प्रदेश में मोटे अनाज की पैदावर कई इलाकों में काफी होती है। इन किसानों को इस सरकारी घोषणा से काफी लाभ मिलेगा। मध्य प्रदेश शासन की ओर से मोटे अनाज पैदा करने वाले किसानों को सुविधा मिलती रही है। यही कारण है कि बालाघाट, छिंदवाड़ा, जबलपुर, कटनी, मंडला, डिंडोरी, नरसिंहपुर, सिवनी में कोदो-कुटकी की लगातार पैदावर बढ़ रही है। वर्ष 2017-18 में इन जिलों की कुल पैदावार 730 किलो प्रति हेक्टेयर थी, जब अब 800 किलो प्रति हेक्टेयर हो गई है। इन जिलों में प्रति वर्ष हजारों टन मोटे अनाज की पैदावार हो रही है। डबल इंजन की सरकार की नीतियों से मोटे अनाज के प्रति किसानों की खेती करने की ललक बढ़ी है, तो दूसरी ओर से आम लोग इसका उपयोग भी कर रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पूरे देश में हो रही मोटे अनाज की कुल पैदावार में मध्य प्रदेश की हिस्सेदारी पांच प्रतिशत से अधिक की है।

मध्य प्रदेश मिलेट्स स्टेट मिशन से किसानों को 80 प्रतिशत तक अनुदान–मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई में मध्य प्रदेश शासन ने मोटे अनाजों का उत्पादन बढ़ाने के लिए मध्य प्रदेश राज्य मिलेट मिशन को अप्रैल महीने में ही अपनी स्वीकृति दे दी हुई है। इस निर्णय के बाद से किसानों को 80 प्रतिशत अनुदान के साथ उन्नत और प्रमाणित बीज, ट्रेनिंग, उत्पादों की मार्केटिंग में सरकार का सहयोग दिया जा रहा है। सरकार की ओर से मध्य प्रदेश राज्य मिलेट मिशन के लिए 23 करोड़ 25 लाख रुपये के बज का प्रावधान भी किया हुआ है। समय-समय पर प्रशिक्षण से लेकर कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। किसानों को बताया जा रहा है कि इस तरह खेती की लागत को कम करना आसान हो जाता है। केंद्र सरकार को किसानों की है चिंता-प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल पर भारत साल 2023 को मिलेट्स ईयर के रूप में मना रहा है और सरकार मिलेट्स के उत्पादन और खपत को बढ़ावा देने के प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्य प्रदेश शासन भी मिलेट्स को लेकर कई काम कर रही है। इससे पहले केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा था कि मिलेट्स को कम पानी और न्यूनतम उर्वरकों व कीटनाशकों के उपयोग से उगाया जा सकता है। कम लागत में किसानों को अधिक मुनाफा हो सकता है। साथ ही इससे आम जनता के स्वास्थ्य हितों की भी बात है।

दो रुपए का आशीर्वाद और तीन दशक की जीत का सफर

बुधनी से पहली बार चुनाव लड़ने पर बुजुर्ग महिला ने दिया था आशीर्वाद, भीड़ में महिला को देख भावुक हुए सीएम, पैर छुए और गले लगाया

भोपाल, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। बुधनी की धरती से पहली बार जीत हासिल कर मध्यप्रदेश पर 33 साल से सत्तासीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह जमुना बाई के दो रुपए को आज भी नहीं भूले हैं। बुधनी ने उन्हें हर बार उपहार के रूप में जीत ही दी है, जिसका श्रेय मुख्यमंत्री जमुना बाई के दो रुपए को देते हैं। आज सीहोर में जहाजपुर पहुंचने पर अचानक वहीं महिला सीएम के सामने आई तो वह भावुक होने से खुद को रोक नहीं पाएं। जमुना बाई को लगाते समय सीएम सहित मौजूद सभी लोगों की आंखे नम हो गईं। दरअसल जमुना बाई ने 33 साल पहले आशीर्वाद स्वरूप सीएम को दो रुपए दिए थे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के जहाजपुर पहुंचने पर जनसमूह के बीच दिखी एक बुजुर्ग महिला ने उन्हें भावनाओं के भंवर में कैद कर लिया। इस महिला का नाम जमुना बाई था, जो सीएम से मिलने पहुंची थी। भारी भीड़ को छांटते हुए सीएम बुजुर्ग महिला के पास पहुंचे और चरण स्पर्श कर उसे लगे लगा लिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि जब वह बुधनी से पहली बार विधायक का चुनाव लड़ रहे थे तो जमुना बाई ने उन्हें आशीर्वाद दिया था और चुनाव लड़ने के लिए दो रुपए भी दिए थे। एक बार फिर बुजुर्ग महिला जमुना बाई के पैर छूकर सीएम ने आशीर्वाद लिया इस बार जमुना बाई भी भावुक हो गई। शिवराज सिंह चौहान ने अपनी यादों को ताजा करते हुए बताया कि जब वह 1990 में बुधनी से पहली बार विधानसभा का चुनाव लड़ रहे थे, तब जमुना बाई ने उन्हें 2 रुपये की राशि देकर कहा था कि तुम चुनाव लड़ो और खूब आगे बढ़ो। सीएम ने एक बार फिर जमुना बाई को गले लगा कर उनसे आर्शीवाद लिया, इस बाद वहां मौजूद सभी लोगों की आंखे नम हो गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह बुधनी की जनता को कभी नहीं भूल सकते, बुधनी वालों के लिए मुख्यमंत्री नहीं, भैया और मामा हैं।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए दिलाई जा रही शपथ

मंदसौर, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए शपथ दिलाई जा रही हैं। ''हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतान्त्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे । तरह तरह की गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। यह गतिविधि हाट बाजार, मेलो, चौराहों पर की जा रही है। साथ मतदान केंद्रों पर जाकर ईवीएम को चलाना, मतदान का महत्व, लोकतंत्र का महत्व आदि के बारे में मतदाताओं को बताया जा रहा है। जिससे मतदाताओं में जागरूकता उत्पन्न हो।

शहर कांग्रेस का बूथ स्तर जनजागरण गोल चौराहा मंडलम में पहुंचा

मंदसौर, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नगर में शहर कांग्रेस द्वारा शहर अध्यक्ष डॉ राघवेन्द्रसिंह तोमर व मण्डलम अध्यक्षगणों के नेतृत्व में निरंतर बूथ संपर्क के अंतर्गत भाजपा व शिवराज सरकार के कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है जिसमे भाजपा सरकार द्वारा जनता के साथ छल पूर्वक किए गए घोटालो को जनता के सामने रख कर भ्रष्ट भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने की अपील की जा रही है।

इसी कड़ी मे शनिवार को बूथ संपर्क अंतर्गत जनजागरण अभियान गोल चौराहा मंडलम के 13, 15, 16 व 17 नम्बर वार्डो में किया गया। जिसमें नेताओ व कार्यकर्ताओं ने नारो के माध्यम से जनता को जागरूक किया। जिसमे प्रमुख नारे-भ्रष्टासुर भाजपा के राज में... भाजपा के राज में... मंदसौर नगर पालिका ने क्या किया... पशुपतिनाथ मंदिर के कार्यों में... सड़कों के निर्माण में.... नालियों के निर्माण में.... बिजली बिल के नाम पर.... नामांतरण के नाम पर.... निर्माण अनुमति के नाम पर... मिड डे मील में क्या हुआ... राशन की दुकान पर... इन्हीं सब नारों के साथ शहर ब्लॉक कांग्रेस मंदसौर द्वारा भ्रष्ट भाजपा सरकार के खिलाफ चलाए जा रहे जन जागरण अभियान के अंतर्गत शहर के गोल चौराहा मंडलम क्षेत्र में सघन अभियान चलाया गया व घोटाला ही घोटाला के फोल्डर बांटे गए । इस आयोजन में बड़ी संख्या में कांग्रेस जनों ने सहभागिता की । इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन जैन, पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल, शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी महेंद्र सिंह गुर्जर, प्रदेश युवक कांग्रेस महासचिव सोमिल नाहटा, प्रदेश प्रतिनिधि मनजीत सिंह टुटेजा, जिला पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष दीपक सिंह गुर्जर, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मोहम्मद हनीफ शेख, सलीम अहमद ,जिला कांग्रेस पदाधिकारीगण में सर्वश्री डॉ प्रीतिपाल सिंह राणा, कांतिलाल राठौर, अजय लोढ़ा, जहिर पठान, विनोद शर्मा, राजनारायण लाड, बबीतासिंह तोमर, आदित्य पाटिल, राखी सत्रावला, इस्टा भाचावत, सुरेंद्र कुमावत, राजेंद्र सेठिया, मोहम्मद हुसैन रिसालदार, संदीप सलोद , खलील खान, साबिर इलेक्ट्रीशियन , जितेंद्र सोपरा, सुरेश भाटी , सुनील बसेर, शैलेंद्र जोशी , मंगल गवली, विजय सिंह सिसोदिया, सेवादल जिला अध्यक्ष दिलीप देवड़ा , उद्योग प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष निर्विकार रातड़िया, , शहर ब्लॉक पदाधिकारी गण सर्वश्री अमित छाबड़ा, शिव शंकर सोलंकी, सागर अंसारी , श्रीद पांडेय, प्रणय धाकड , मंडलम अध्यक्ष गण में विजय जैन, पंकज जोशी, नितेश सतीदासानी, दशरथ राठौर डियर, वकार खान , शुभम कुमावत सेक्टर अध्यक्ष राजेश खींची , अशोक राव , सादिक गोरी , सम्यक जैन, नवीन शर्मा, हनीफ शाह, नेहा कनकमल जैन, सोनिया जैन, वसीम खान, दुर्गेश चंदेल, माजीद चौधरी कमलेश जैन सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन इस अवसर पर उपस्थित थे श्र सभी का आभार गोल चौराहा मंडलम के अध्यक्ष विजय जैन ने माना।

जिला स्तरीय महिला कबड्डी स्पर्धा संपन्न

दलौदा, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। स्वामी विवेकानन्द शासकीय महाविद्यालय दलौदा में अंतर महाविद्यालय जिला स्तरीय कबड्डी महिला प्रतियोगिता आयोजित हुई मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के अनुसार 07 अक्टूबर को महा विद्यालय परिसर में अंतर महाविद्यालय कबड्डी महिला प्रतियोगिता का आयोजन मंडल अध्यक्ष श्री विकास सुराणा एवम जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री हेमंत धनोतिया के मुख्य अतिथि में संपन्न हुई जिसमे श्री सुराणा ने कहा की खेलो के माध्यम से व्यक्तित्व विकास होता है खिलाड़ी हर परिस्थिति में हिम्मत नहीं हारता है और सफलता की और बढ़ता रहता है वही श्री हेमंत जी धनोतिया ने कहा की महाविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है और खेलो में और अधिक बुलंदियों को छू रहा है आज की प्रतियोगिता में चयनित होने वाले खिलाड़ी संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में जिले को गौरवान्वित करेंगे। उक्त प्रतियोगिता में जिले से पिपलिया मंडी कॉलेज, सीतामऊ कॉलेज, भानपुरा कॉलेज, मंदसौर पी जी कॉलेज शामग्रढ कॉलेज, कन्या महाविद्यालय मंदसौर गरोठ महाविद्यालय ने भागीदारी की जिसमे प्रथम स्थान शासकीय महाविद्यालय गरोठ एवम द्वितीय स्थान शासकीय महाविद्यालय मंदसौर ने प्राप्त किया निर्णायक की भूमिका जैनुल आबेदीन, शंकर प्रजापति अंबरोज वाल्टर, एवम मनीष पांचाल ने निभाई इस अवसर पर विधायर्थी परिषद के नगर मंत्री श्री अजय मकवाना सहित भी मंचासीन थे। कार्यक्रम का सफल संचालन डा पवन पिलोदिया ने किया एवम पधारे समस्त अतिथियों निर्णायक आफिशियल स्टाफ खिलाड़ियों का आभार प्रभारी प्राचार्य डॉ गजेंद्र आर्य ने माना। उक्त जानकारी शासकीय महाविद्यालय दलोदा के क्रीड़ा अधिकारी रजाक फ़रोश मेव ने दी।

विनर क्लब ने संझा लोकपर्व पर आयोजित की प्रतियोगिता

मंदसौर, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नगर की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था विनर क्लब मातृशक्ति वाहिनी द्वारा भारत का लोकपर्व संजा पर प्रतियोगिता का आयोजन कुमावत धर्मशाला रामटेकरी पर आयोजित किया गया। जिसमें 16 महिलाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लेकर परम्परागत तरीके से गोबर, फूल व चमकीली पन्नियों से सुन्दर संजा माता बनाई व किला कोट सजाया।

कार्यक्रम में विनर क्लब की अध्यक्ष श्रीमती सुधा मुंगड़ सहित सभी सदस्याएं मंचासीन थी। अतिथियों ने भारत माता एवं स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ञवलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस दौरान उपस्थित महिलाओं ने संजा माता जीम ले, चूठ ले, जिमाऊ सारी रात आदि संजा के गीत भी प्रस्तुत किये व संजा माता की आरती कर प्रसाद वितरित किया। अध्यक्ष श्रीमती सुधा मुंगड़ ने संबोधित करते हुए कहा कि संजा पर्व हमें पर्यावरण व अपने परिवेश से जोड़ने का पर्व है लेकिन इलेक्ट्रानिक युग में भौतिक साधनों के चलते हमें अपने लोक पर्वो की अनदेखी करने लगे है। ऐसे में विनर क्लब हमारे लोक पर्वो को विधि विधान से मनाने व उनकी गरिमा बनाये रखने का प्रयास सदैव से करता आया है। महिलाओं ने इस प्रतियोगिता में सुन्दर संजा बनाकर अपनी धार्मिक भावनाओं का सराहनीय रूप से प्रदर्शन किया है। विनर क्लब मातृशक्ति वाहिनी की प्रतियोगिता प्रभारी निशा कुमावत ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम लता कुमावत, द्वितीय कुसुम कुमावत व तृतीय ममता कुमावत स्थान पर रही। शेष प्रतियोगियों रीना कुमावत, पूजा कुमावत, शांति कुमावत, प्रीति कुमावत, टम्मा कुमावत, शुगन कुमावत, राखी कुमावत, साधना कुमावत, पिंकी देवड़ा, मधुकांता गुप्ता, आरती गुप्ता, ललित कुमावत, सुनीता कुमावत को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किये गये। प्रतियोगिता की निर्णायक उमा सैनी, आरती दवे, समता गुप्ता, मालती गेहलोत, वर्षा बसेर थे। इस अवसर पर विनर क्लब मातृशक्ति वाहिनी की प्रीति रोखले, उमा सैनी, शशि झलोया, आरती दवे, अर्चना गुप्ता, कुसुम पोरवाल, निशा कुमावत, सीता कच्छावा, मालती गेहलोद, , समता गुप्ता, मधु नारायणिया, सुधा मुंगड़, वर्षा बसेर, सुनिता कुमावत, सीमा चौरड़िया सहित विनर क्लब परिवार के सदस्य आदि उपस्थित थे। संचालन सीमा चौरड़िया ने किया एवं आभार आरती दवे ने माना। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी शुभम मारोठिया ने दी।

कलेक्टर आज ई-जनसुनवाई करेंगे

नीमच, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन आज 9 अक्टूबर सोमवार को प्रात: 10:00 बजे कलेक्ट्रेट नीमच से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए नीमच जनपद क्षेत्र की पांच ग्राम पंचायतो से संवाद कर पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों से रूबरू होकर उनकी समस्याएं सुनेंगे और उनका निराकरण करेंगे। कलेक्टर ई जनसुनवाई में नीमच जनपद क्षेत्र की ग्राम पंचायत बोरखेडी पानेरी, डूंगलावदा, आमली खेडी, जमुनिया खुर्द, एवं तेलनखेडी जागोली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद कर जन समस्याएं सुनेंगे और उनका निराकरण करेंगे।

निर्वाचन संपन्न होने तक सभी अधिकारी/कर्मचारियों के अवकाश पर प्रतिबंध

मंदसौर, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंगर्तत निर्वाचन कार्य के सुचारू रूप से संपादन के लिए अधिकारियों/कर्मचारियों की आवश्यकता तथा निर्वाचन के महत्व को देखते हुए सभी प्रकार के अवकाश पर निर्वाचन संपन्न होने तक प्रतिबंध लगाया है। अति विशेष परिस्थिति में अवकाश संबंधी आवेदन मुख्यप कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं नोडल अधिकारी मंदसौर को प्रस्तुवत करेंगे। सभी सेक्टलर अधिकारी अवकाश संबंधी आवदेन अपने संबंधित रिटर्निंग अधिकारी को प्रस्तुंत करेंगे।

कायाकल्प योजना के तहत सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ, नागरिकों को मिलेगी सुविधाएं

नगरी, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नगर परिषद द्वारा कायाकल्प योजना के अंतर्गत करीब 58 लाख की लागत से बनने वाली सड़क का काम प्रारंभ होने से आने वाले समय में नागरिकों को सुविधाएं मुहैया होगी। इसके साथ ही अन्नपूर्णा धाकड़ धर्मशाला मार्ग पर भी नागरिकों की लंबी समय से चली आ रही मांग पूरी करते हुए यहाँ भी सड़क निर्माण कार्य शुरू होने से क्षेत्रीय नागरिकों ने हर्ष व्यक्त किया है।

नगर परिषद अध्यक्ष संगीता - घनश्याम बग्गड़ ने बताया कि नगरी नगर परिषद क्षेत्र में लाखों की सड़कों का काम गत दिनों क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुए हैं। कायाकल्प अभियान अंतर्गत तेजाजी प्रांगण से मस्जिद तक , रामकुंड से इंडिया गेट एवं तेजाजी प्रांगण से रामकुंड तक करीब 58 लाख की डामरीकरण सड़क कार्य संबंधित ठेकेदार द्वारा प्रारंभ कर दिया गया है। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 13 में राम कुंड से अन्नपूर्णा धाकड़ धर्मशाला तक की सड़क एवं नाली निर्माण का कार्य भी प्रारंभ होने से आने वाले समय में पुरे नगर के नागरिकों को लाभ होगा। नप अध्यक्ष श्रीमती बग्गड़ ने बताया कि नगर परिषद द्वारा मुख्यमंत्री अधोसंरचना अंतर्गत पटलावद रोड़ से नई आबादी तक बनी सीसी रोड़, नाला एवं पुलिया निर्माण जिसकी लागत करीब 77.82 लाख एवं नई आबादी रोड से केशव कुटिया तक सीसी रोड निर्माण जो कि करीब 12 लाख 32 हजार में बना था इसका लोकार्पण भी गत दिनों किया गया। इसके अलावा नगर में अन्य निर्माण कार्य भी एक दो दिन में प्रारंभ होने वाले है। विधानसभा चुनाव पूर्व जनहितैषी निर्माण कार्य शुरू हो जाने से नगरवासियों को सुविधाएं मुनासिब होगी। कायाकल्प योजना अंतर्गत निर्माण कार्य प्रारंभ होने के दौरान नप अध्यक्ष प्रतिनिधि घनश्याम बग्गड़, लोकनिर्माण सभापति राजेश जैन, पार्षद राजगोपाल टेलर, पार्षद प्रतिनिधि मुकेश चचावद, भेरूलाल बग्गड़, मांगीलाल मालवीय आदि की उपस्थिति रहीं संबंधित ठेकेदार को गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने के निर्देश भी दिये।

खेलो एमपी यूथ वॉलीबॉल का खिताब मंदसौर ने जीता

मंदसौर, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. शासन के खेल एवं युवक कल्याण विभाग के तत्वाधान में केंद्र शासन के खेलो इंडिया गेम की तर्ज पर 1 से 3 अक्टूबर 2023 तक भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय खेलो एम.पी.यूथ वॉलीबॉल गेम में मंदसौर जिले की यूथ बालिका टीम ने उज्ञैन संभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

बालिका टीम ने अपने ग्रुप के पहले मैच मे भोपाल संभाग को 2-0 से दूसरे मैच में सागर संभाग को 2-0 से और अपने ग्रुप के अंतिम मैच में जबलपुर संभाग को सीधे सेट में 2-0 से पराजित करके सेमी फाइनल में प्रवेश किया। मन्दसौर जिले की बालिका टीम ने सेमीफाइनल मैच में इन्दौर संभाग को पराजित करके खिताब के लिए फाइनल में प्रवेश किया। खेलो एम.पी.यूथ वॉलीबॉल गेम में मन्दसौर की बालिका टीम ने फाइनल मैच में ग्वालियर सम्भाग को पराजित करके खेलो एम.पी.यूथ बालिका वॉलीबॉल गेम का खिताब अपने नाम करके स्वर्ण पदक प्राप्त किया। मन्दसौर की बालिका टीम में खुशी ग्वाला, रंजना कैथवास, चंचल सालवी, निशा वाघेला, हिमशिखा यादव, रितिका बैरागी, प्रार्थना वाघेला, अल्फिया खान, पायल, रचना, नीलम राठौर, ज्योति कुमावत टीम के कोच चयन माली थे। प्रतियोगिता में खुशी ग्वाला, रंजना कैथवास ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मन्दसौर जिले की बालिका टीम ने पूर्व मे भी म.प्र. ओपन राज्य स्तरीय सब जूनियर वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2022 में विजेता रही है। मन्दसौर की इन बालिका खिलाड़ियों ने मंदसौर जिले का नाम सम्पूर्ण म.प्र मे गौरान्वित किया है। इन खिलाड़ियो के खेलो. एम.पी.यूथ वॉलीबॉल गेम का विजेता बनने पर मन्दसौर के लोकप्रिय विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदीया, खेल एवं युवक कल्याण विभाग के खेल अधिकारी विजेन्द्र देवड़ा जिला शिक्षा खेल अधिकारी अशोक शर्मा पी. जी. कालेज खेल अधिकारी राजकुमार, मन्दसौर जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह चौहान विनय दुबेला संदीप खाबिया, सज्जन सिंह श्रीमाल, अनिल पाटीदार, अभिषेक सेठिया राजेन्द्र सिंह, शेर मोहम्मद खान, आशीष रेठा, विनय अग्रवाल, नमन शर्मा, रोशन हीरानी, दिव्यांशी गुप्ता, जाह्नवी हाड़ा, आस्था भावसार, नेहा सालवी हॉकी कोच अविनाश उपाध्याय, अब्दुल रज़ाक, बधाई दी। यह जानकारी मन्दसौर जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के वरिष्ठ कोच एवं सचिव त्रिभुवन कवीश्वर, कोच अभिषेक सेठिया ने दी है।

भारतीय शिक्षा में जीवन मूल्यों का महत्व

'प्रत्येक बालक जन्म के समय निर्विकार और निश्छल होता है' किंतु जैसे ही वह परिवार और समाज के संपर्क में आता है वह धीरे-धीरे दूषित होने लगता है। इसलिए परिणाम स्वरूप, शिक्षा की रचना करते समय हमेशा व्यक्ति के बजाय समाज को अधिक महत्व प्रदान करना चाहिए इसलिए विश्व के विभिन्न देशों में शिक्षा के स्वरूप और शिक्षा की रचना में आमूल चूल परिवर्तन किए जाते हैं।

जो शिक्षा देश के इतिहास, संस्कृति, अध्यात्म, और जीवन मूल्य के साथ देशभक्ति पर आधारित होती है, वहीं शिक्षा प्रत्येक देश के लिए सार्थक होती है। किंतु दूसरी तरफ पश्चिमी देशों के साम्यवादी देशों में और इस्लामी देशों में इसके विपरीत, शिक्षा का स्वरूप विकसित हुआ, वहां समाज केंद्रित शिक्षा का स्वरूप गौण है और केवल व्यक्तिगत उन्नति तथा स्वार्थ सिद्धि के लिए ही शिक्षा-संरचनाओं को महत्व दिया जाता है। किंतु भारत में शिक्षा का आधार व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ परोपकार की भावना का विकास करना होता है। क्योंकि प्रत्येक बालक में ईश्वर प्रदत्त अनेक सद्गुण होते हैं इसलिए 'शिक्षा का उद्देश्य यह होना चाहिए कि उसके लिए ऐसा वातावरण तैयार करना जिससे हर बालक ईश्वर- प्रदत्त योग्यताओं के साथ उसकी विशिष्टयोग्यता का विकास हो सके और उसके बाद उसकी संपूर्ण योग्यता और क्षमताएं समस्त मानव जाति एवं सामाजिक जागृति में सक्रिय रहकर योगदान करने काम आ सके।

अत: शरीर मन और बुद्धि के विकास तथा चार पुरुषार्थ धर्म अर्थ काम और मोक्ष सहित त्याग, तपस्या, दया, सहिष्णुता, सेवा -भाव, अहिंसा, राष्ट्रभक्ति तथा स्वयं के हितों को दांव पर लगाकर भी परोपकार के लिए अपने जीवन को लगा देना, यह भारतीय जीवन मूल्यों की शिक्षा होती है। किंतु आज जिस प्रकार की कट्टरता इस्लाम और ईसाइयत में चल रही है वह कट्टरता का सिद्धांत भारतीय शिक्षा में भी करना आवश्यक है यद्यपि भारत का संविधान इसकी अनुमति नहीं देता किंतु अंतर्निहित दृष्टि से अपने धर्म के प्रति कट्टरता और आवश्यकता पड़ने पर अपने धर्म की रक्षा के लिए यदि हिंसा का सहारा भी लेना पड़े तो उसका भी प्रशिक्षण, शिक्षा का एक हिस्सा होना चाहिए, क्योंकि सम्पूर्ण शिक्षा का आधार देश और धर्म की सुरक्षा से जुड़ा होता है। उपरोक्त सिद्धांतों के प्रतिपादन हेतु 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' का निर्माण किया गया है (इसमें धार्मिक कट्टरता का कोई विषय नहीं है) किंतु इसको एग्जीक्यूट करना इतना सरल नहीं है, क्योंकि अच्छी संस्कारक्षम शिक्षा को परिवार और समाज केवल सतही तौर पर स्वीकार करता है किंतु माता-पिता की महत्वाकांक्षाएं और समाज का व्यक्ति के प्रति भौतिकवादी मूल्यांकन उसको भौतिकवाद की तरफ मोड़ देता है तथा वह आर्थिक दौड़ में सबसे आगे निकल जाना चाहता है, चाहे उसके लिए उसे किसी का नुकसान ही क्यों न करना पड़े। भारत की शिक्षा एवं संस्कारों को तथा जीवन मूल्यों को यदि विद्यार्थी के माध्यम से परिवार और समाज तक ले जाना है तो विद्यालयों को वहां तक पहुंचना होगा तथा सभी विद्यालयों को सामाजिक चेतना का केंद्र बनाने के प्रयास करने होंगे, तब ही जाकर कुछ हद तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भावना के अनुरूप शिक्षा की सार्थकता सिद्ध हो सकती है। इसलिए परिवार की मानसिकता और और वातावरण को बदलना यह बहुत आवश्यक है। इसके लिए गुजरात के प्रसिद्ध शिक्षाविद गिजुभाई बधेका ने अपनी दिवा स्वप्न नमक पुस्तक में लिखा है कि, माता-पिता और परिवार के लोग चाहे जैसा आचरण करके भी यह समझते हैं कि हम अपनी संतान को संस्कारी बना लेंगे तो वह एक बड़ी भूल करते हैं क्योंकि घर में बिगाड़े गए बालक को भगवान भी सुधार नहीं सकता । इसलिए शिक्षा का लक्ष्य, स्वरूप एवं संरचना परिवार एवं समाज में परिवर्तन को लेकर आधारित होना चाहिए।

–रमेशचन्द्र चन्द्रे

कांग्रेस का यह कारवां मंजिल तक क्यों नहीं पहुंच पाता..!

दर्द-ए-दिल
कुमार दशपुरी

मंदसौर, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव की आचार संहिता अब कभी भी घोषित हो सकती है। लेकिन, राजनीतिक दलों ने तो अपने-अपने चुनावी प्रयास शुरू कर दिए हैं। यहां जिक्र किया जा रहा है कांग्रेस के बूथ संपर्क और जन जागरण अभियान का। कांग्रेस में मंदसौर नगर को विभिन्न मंडलम में विभाजित कर क्षेत्रवार यह मंडलम बनाए हैं और चुनाव के पहले यह अभियान इन क्षेत्रों में चलाया जा रहा है। देखा जा रहा है कि कांग्रेसजन हर बार कोई सा भी चुनाव हो उम्मीदवारी घोषित होने के पहले ऐसे ही संगठित हो जाते हैं, लामबंद होकर यह संदेश देने की कोशिश करते हैं कि इस बार कांग्रेस पूरी तरह से एक है।

एक जुट होकर चुनाव लड़ेंगे कोई गुटबाजी नहीं है, चुनाव चिन्ह हमारा उम्मीदवार होगा। लेकिन, जैसे ही उम्मीदवार घोषित होता है, यह सब बातें धरी की धरी रह जाती है। सवाल यह है कि आखिर कांग्रेस का यह कारवां मंजिल तक क्यों नहीं पहुंचता है।

गुटबाजी कांग्रेस का राजरोग है, यह कभी भी खत्म नहीं हो सकता। मिट जाएंगे, मर जाएंगे, लेकिन गुटबाजी नहीं छोड़ेंगे। इस गुटबाजी ने कांग्रेस को इतना कमजोर कर रखा है कि भाजपा के इस लंबे शासन काल में कांग्रेस पार्टी विपक्षी दल की भूमिका को बेहतर तरीके से निभा ही नहीं सका। कांग्रेस के आधे नेता तो भाजपाइयों से सेट हो जाते हैं और बाकी के एक दूसरे को नीचा दिखाने में ही अपनी ऊर्जा लगा देते हैं। चुनाव के पहले उम्मीदवार घोषित जब तक नहीं होता, कांग्रेस पार्टी को मसानिया वैराग्य जागता है। लेकिन, उम्मीदवार घोषित होते ही चुनाव उम्मीदवार के इर्द-गिर्द सिमट कर रह जाता है। उम्मीदवार के ही लोग उसी के समर्थक चुनावी वैतरणी को पार करने की कोशिश करते हैं और शेष कांग्रेसी दर्शक दीर्घा में तटस्थ मूर्ति बनकर बैठ जाते हैं।

इस बार क्या होता है यह तो आने वाले दिन बताएंगे। लेकिन अब तक तो कांग्रेस का चरित्र यही रहा है।यही वजह है कि कांग्रेस का कारवां मंजिल तक इस क्षेत्र में नहीं पहुंच पाया है। यही वजह रही है कि मंदसौर विधानसभा क्षेत्र में पिछले पांच चुनाव में कांग्रेस को हार का सामना करना पड रहा है। जबकि ऐसे जन जागरण और ऐसे कारवें हमेशा चुनाव के पहले कांग्रेस निकालती है।

जमीन से आने वाली खुशबू तय कर रही भाजपा के प्रत्याशी...

मंदसौर/ उज्जैन, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। भाजपा के 151 प्रत्याशियों में नीमच मंदसौर जावरा संसदीय क्षेत्र के सभी प्रत्याशियों के नाम की घोषणा होना बाकी है। अभी तक 79 से प्रत्याशियों के नाम को जिन पैमानों की कसौटी पर परख कर उजागर किया गया है किसी को कुछ समझ नहीं आ पा रहा है। पहले जो कार्यकर्ताओं को प्रत्याशी बनवाने का दावा कर रहे थे। अब वह खुद ही अपने विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशी बन खुद का प्रचार करते नजर आ रहे हैं। कुछ ऐसे सांसद भी हैं जो अपने संसदीय क्षेत्र के किसी न किसी विधानसभा क्षेत्र के विधायक को डरा भी रहे थे, मना भी रहे थे कि मैदान से हट जाए तो वह खुद विधानसभा लड जायेंगे। जीतेंगे भी मंत्री भी बनेंगे ! ऐसी सारी बातों पर दूसरी सूची आते ही विराम लग गया। इतना जबरदस्त की जो दावे से प्रत्याशी बनवा रहे थे, वह क्षेत्र से गायब है। जो मुख्यालय जिला कार्यालय के पास स्टॉल लगाकर बोली लगवा रहे थे, कहीं किसी गली में भी नजर नहीं आ रहे हैं। इसका एकमात्र कारण है कि भाजपा हाई कमान ने चयन की कसौटी निराकार और इतनी पारदर्शी रखी है, इसमें फिट होने वाला कार्यकर्ता ही पास होकर प्रत्याशी बनेगा। बनवाने का दावा करने वाले मैदान छोड़कर अपने इलाकों में सिमट गए हैं।

चन्द्रमोहन भगत

भाजपा केंद्रीय नेतृत्व का उद्देश्य सिर्फ एक ही है किसी भी हालत में राज्यों के होने वाले चुनाव जीतकर सरकार बनाना। मंदसौर नीमच संसदीय क्षेत्र में विधायक यशपाल सिसोदिया, ओमप्रकाश सकलेचा, राजेन्द्र पांडे और जगदीश देवडा तीन चार और सात बार वाले विधायक हैं। बावजूद इसके इन्हीं के क्षेत्र में इनकी बेहतरीन जमावट और छवि होने के बाद भी दूसरे नंबर के कार्यकर्ता प्रयासरत हैं। होना भी चाहिए, अच्छी छवि है, लगातार पार्टी का काम भी कर रहे हैं, उम्र निकलते जा रही है। बीस तीस साल कोई विधायक बना रहेगा तो बचे हुए पदाधिकारी क्या जीवन भर कार्यकर्ता ही बने रहेंगे! ऐसे में प्रयास उन सीटों पर ज्यादा नजर आ रहे हैं जहां से लगातार भाजपा के विधायक जीतते आ रहे हैं। जो प्रयास कर रहे हैं वह पुश्तैनी और भाजपा के समर्पित कार्यकर्ता है। इसलिए सर्वोच्च स्तर तक इनके प्रयास जारी है। अच्छी छवि और प्रत्याशी बनने के काबिल कार्यकर्ताओं को जवाब भी मिला है कि पार्टी अपने स्तर पर चयन प्रक्रिया अपनाए हुए हैं। जिस कार्यकर्ता के नाम पर जमीन से खुशबू आएगी, वही प्रत्याशी बनाए जाएंगे। जैसे कांग्रेस में कहा जा रहा है कि संगठन तथा कमलनाथ के कराए सर्वे में नाम होगा उसी को प्रत्याशी बनने लायक माना जाएगा। भाजपा हाई कमान का यह वाक्य की जमीन से खुशबू आएगी। कांग्रेस के दोनों सर्वों के मुकाबले बहुत भारी और जमीन से जुड़ा है। इतने बारीक मापदंड अपनाए जाएंगे, तभी जीतने की उम्मीद पाली जा सकती है। पहले से विधायक के मुकाबले सिर्फ जीतने की योजना से चुनाव लडना है तो प्रयोग जरूर किए जाएं पर कसोटिया कितनी ही कडी हो क्षेत्र में जन स्वीकार्यता रखने वाला ही प्रत्याशी जीतेगा। फिर चाहे वह भाजपा का हो या कांग्रेस का।

भाजपा संगठन जिसका इस चुनाव में एकमात्र उद्देश्य किसी भी हालत में प्रदेश में सरकार बनाना है। अगर अपनी कसौटी के मुकाबले जन स्वीकार्यता को नजरअंदाज करेगा तो नुकसान उठाना पड सकता है। यह अलग बात है कि विधानसभा चुनाव के लिए केंद्रीय संगठन आज तक इतना गंभीर नहीं हुआ है। बीते समय तक तो यह चर्चाएं भी चली थी कि केंद्रीय सरकार के करीबी उद्योगपति अथवा व्यापारियों के दखल से भी प्रत्याशी बनाए जा सकते हैं। किंतु इस बार इस तरह की कोई चर्चा भी सतह पर नहीं आ रही है। ऐसे में साफ कहा जा सकता है कि भाजपा के जिन विधायकों का नाम जमीन की खुशबू से समाहित रहेगा, वही प्रत्याशी बनेंगे।

विस चुनाव: सोशल मीडिया पर फ्रिफंड का श्रीखंड!

नेट की सामग्री उठाकर पार्टी के प्रति दिखा रहे वफादारी, अपने-अपने आकाओं को खुश करने में लगी नेता-नगरी

मंदसौर, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कुछ समय पहले तक फ्लेक्स और विज्ञापनों के माध्यम से नेता या टिकिट के दावेदार खुद की दावेदारी प्रस्तुत करते थे, लेकिन अब सोशल मीडिया पर नेता फ्रिफंड के श्रीखंड का मजा ले रहे हैं। नेट की सामग्री उठाकर अपनी विपक्षी पार्टी के खिलाफ कमेंट्स करके अपने आपको लोगों के सामने प्रस्तुत करने के साथ ही पार्टी के लिए वफादारी बनाने का जरिया फेसबुक या अन्य सोशल मीडिया के माध्यम बन चुके हैं। विशेषकर युवा नेताओं में सोशल मीडिया पर राजनीति करने का क्रेज जमकर बढ़ा है। समर्थक भी हर पोस्ट पर बिना देखे लाईक और कमेंट्स कर रहे हैं। इन्हीं लाईक और कमेंट्स से लोकप्रियता को आंका जा रहा है।

मोदी ने ये किया..भाजपा ने ये किया...राहुल गांधी ने ये किया...बस फेसबुक या अन्य सोशल मीडिया पर जाते ही यह लाईनें इंटरनेट से चुराकर डाली गई पोस्ट के साथ नजर आ जाएगी। हर पार्टी में टिकिट का दावेदार फेसबुक और वॉटसएप के जरिए आम जनता और कार्यकर्ताओं से जुडे रहना चाहते हैं। नेता अपने कार्यक्रमों की फोटो एफबी पर पोस्ट कर रहे हैं। लोग उनको लाइक करते हैं, कमेंट करते हैं और समर्थक शेयर भी करते हैं, जिनसे उनकी बात और उनका नाम पूरे एरिया में फैल जाएं। फेसबुक पर लाईक या कमेंट्स की संख्या उम्मीदवार की लोकप्रियता को दर्शा रही है। हालांकि विशेषकर युवा नेताओं को यह रास्ता भा रहा है।

अपने आका को खुश करने का काम

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चुनाव में टिकिट के लिए पहले अपने आका के देवरे धोगने के लिए रोजाना उनके घर या भोपाल के चक्कर काटने पड़ते थे। लेकिन अब यह टेंशन खत्म हो गई है। अपने आका का जन्मदिन हो या बड़े नेता से उनकी मुलाकात, फोटो चिपकाओ और कुछ लिखकर पोस्ट कर दो। जिससे अधिकारियों को भी लगे फलाने का खास आदमी तो फलाने को भी लगे कि यह मेरा खास आदमी।

कनेक्ट होने के कई तरीके

आने वाले चुनावों के दावेदार वैसे तो पहले से सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट्स से जुड़े हुए हैं, लेकिन अब तक सामान्य तरह से खुद की प्रोफाइल अपडेट करते थे। अब चुनाव को देखते हुए रोजाना कोई न कोई जानकारी प्रोफाइल और पेज पर शेयर हो रही है। सभी पार्टी एक-दूसरे को टारगेट बनाने के लिए भी सोशल मीडिया का बहुत उपयोग कर रही है।

सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने के लिए खर्च

सुबह से देर रात तक व्यस्त रहने वाले जनप्रतिनिधियों के लिए यह मुमकिन नहीं कि वे दिनभर सोशल मीडिया पर एक्टिव रहें। ऐसे में ज्यादातर नेताओं का फेसबुक-ट्विटर अकाउंट सोशल मीडिया मैनेजर हैंडल कर रहे हैं। इसके अलावा डिजाईनर से लेकर अन्य काम भी बांटे गए है। बात करें विज्ञापन डिजाईनर की तो विज्ञापन बनाने वालों को तो लगभग हर नेता ने हायर कर रखा है। किसी की भी पुण्यतिथि या जन्मदिन पर विज्ञापन तैयार करवाकर फेसबुक पोस्ट किया जा रहा है। इसी के जरिए हर वर्ग को खुद करने के साथ अपनी पहचान लोगों तक बनाने का काम किया जा रहा है।

आदित्य सोनी ने किया जिले का नाम रोशन

दलौदा, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नगर के प्रतिष्ठित डाक्टर श्री आर पी सोनी के प्रतिभावान सुपुत्र श्री डा. आदित्य सोनी ने राष्ट्रीय स्तर कि पीजी निट की 9000 वी रेंक प्राप्त कर ि (आरथोपेटिक सर्जन) के लिए बीजी मेडिकल कॉलेज सिविल हॉस्पिटल अहमदाबाद मे चयन हुआ उल्लेखनीय हे की डाक्टर आदित्य सोनी शुरु से हि मेधावी छात्र रहा हे उन्होंने पूर्व मे एआई / पी एम टी प्रदेश मे 409 वी रेंक प्राप्त कर नेताजो सुभाष चंद्र बोस गवर्मेंट कॉलेज जबलपुर से एम बी बी ऐस किया इससे दलोदा नगर एवं आसपास सहित जिले का नाम रोशन किया अब श्री आदित्य अहमदाबाद के शासकिय् हॉस्पिटल मे अपनी सेवाए देंगे श्री सोनी की इस उपलब्धि को लेकर माननीय सांसद श्री सुधीर गुप्ता, विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, जिलाभाजपा अध्यक्ष श्री नानालाल अटोलिया, भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री विकास सुराणा, स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष श्री हेमंत धनोतिया, दलोदा सरपंच श्री मती दुर्गा बाई अनील केथवास, श्री विनोद धनोतिया ने बधाई शुभकामनाए दी।

ऑडिटोरियम: अब प्रयास भी हुए बंद

अधूरा रह गया प्रोजेक्ट, नहीं मिल पाई सौगात

मंदसौर, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मेघदूत नगर के अधूरा ऑडिटोरियम का सपना अब पूरी तरह से टूट गया है। दस साल पहले दिखाया गया सपना पूरा रास्ता तय नहीं कर पाया। इसके बाद जनप्रतिनिधि-अधिकारी जल्द ही काम शुरु करने के आश्वासन देते रहे। पत्राचार के माध्यम से प्रयास भी जारी रहे। लेकिन अब प्रयास भी पूरी तरह से बंद कर दिए गए है।

600 से अधिक दर्शको की क्षमता वाले ऑडिटोरियम निर्माण के लिए 2 करोड रुपए की राशि देने की घोषणा मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने पूर्व में की थी। इसके लिए नपा को सिर्फ 1 करोड रुपए की राशि मिली है। सीएम की घोषणा की आधी राशि ही मिलने से यह प्रोजेक्ट अधूरा ही पड़ा है। नगरपालिका ने इसमें 40 लाख रुपए मिलाकर अब तक 1.40 करोड़ से निर्माण कार्य किया। लेकिन अन्य व्यवस्थाओं को जुटाने के लिए अभी राशि की आवश्यकता है। और राशि के अभाव में यह प्रोजेक्ट पिछले दो चार से अधूरा ही पड़ा है। नगर पालिका ने राशि की मांग को लेकर कई बार विभाग के वरिष्ठ अधिकायिरें को पत्र लिखे, लेकिन राशि अब तक नहीं मिली है। अब तो नपा ने पत्र लिखना बंद कर दिए है। और प्रोजेक्ट उसी अवस्था में पूरा होने का इंतजार कर रहा है।

खंडहर बन गया ऑडिटोरियम

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की लापरवाही और उदासीनता का जीता जागता उदाहरण है मेघदूत नगर का आधा अधूरा वातानुकूलित ऑडिटोरियम। लगभग डेढ करोड़ रुपया इस पर खर्च कर दिया गया। इतनी बड़ी राशि खर्च करने के बाद आधा अधूरा ऑडिटोरियम खंडहर बन गया है। अब यह सिर्फ शराब प्रेमियों के लिए काम आ रहा है। ऑडिटोरियम को ग्यारह माह में पूरा करना था, लेकिन दस साल गुजर गए।

सीएम ने की थी घोषणा

23 अगस्त 2010 को नगर में आयोजित एक सभा में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने इसके लिए 1 करोड़ रुपए देने की घोषणा की। इसके बाद नपा ने ऑडिटोरियम निर्माण की प्रक्रिया को तेज किया। ढाई साल बाद 24 फरवरी 2013 को परिषद में प्रस्ताव पास किया। इसमें ऑडिटोरियम निर्माण पर 1 करोड़ 11 लाख 48 हजार की स्वीकृति दी गई। ठेकेदार सोमेश भटनागर को नगर पालिका ने वर्क ऑर्डर जारी किया। इसके बाद ठेकेदार ने जून 2013 में निर्माण कार्य शुरू किया, लेकिन बाद में राशि समय पर नहीं मिलने से काम की रफ्तार भी रुकती रही। इसी बीच ठेकेदार द्वारा अतिरिक्त काम किए जाने पर नपा ने परिषद की बैठक में भुगतान के लिए 34 लाख की स्वीकृति भी प्रदान कर ली। ऑडिटोरियम निर्माण पर कुल 1.45 करोड़ रुपए खर्च हो गए। इसके बाद काम बंद हो गया।

जून 2013 में शुरू हुआ था कार्य

ऑडिटोरियम का निर्माण कार्य नगर पालिका ने दस साल पहले जून 2013 में शुरू करवाया था। प्रारंभ में ठेकेदार को यह कार्य 11 माह में ही पूरा करना था। लेकिन शासन से राशि समय पर नहीं मिलने के कारण इस कार्य की समय अवधि मार्च 2015 की गई। यह अवधि को बीते भी आठ साल हो चुके हैं। अब इसके पूरा होने की उम्मीद भी खत्म सी हो गई है।

सरकार ने जन्म से लेकर मृत्यु तक की योजना बनाई-वित्त मंत्री

मंत्री देवड़ा ने लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया

मंदसौर, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। वित्त, वाणिज्यिक कर, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग मध्य प्रदेश शासन के मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने ग्राम किशनगढ़ में लागत 1.44 लाख रु से निर्मित होने वाले किशनगढ़ से मनासा पिपलिया मार्ग का भूमिपूजन, नारायणगढ़ में लागत 1 करोड़ रु से तालाब सौंदर्यीकरण का भूमि पूजन, लागत 2 करोड़ रु से डिवाइडर एवं सेंट्रल लाइटिंग कार्य का भूमिपूजन, ग्राम हरसोल में लागत 596 लाख रु से निर्मित होने वाले नारायणगढ़ से हरसोल मार्ग का भूमिपूजन, लागत 4 लाख रु मांगलिक भवन के सामने टीन शेड, लागत 4.38 लाख रु से निर्मित सीसी सड़क का भूमिपूजन, मांगलिक भवन का भूमिपूजन, मल्हारगढ में लागत 3 करोड़ रु से निर्मित होने वाले नवीन बस स्टेण्ड का भूमिपूजन, ग्राम चंदवासा में देवनारायण मंदिर जीर्णोद्धार कार्य का भूमि पूजन किया।

लोकार्पण एवं भूमि पूजन के अवसर पर वित्त मंत्री श्री देवडा ने कहा कि मंत्री श्री डंग ने कहा कि सरकार ने जन्म से लेकर मृत्यु तक की योजना बनाई है जिसमें पात्र व्यक्तियों को लाभ मिल रहा है। सरकार ने अनेक योजनाएं चलाई है। सरकार ने संबल योजना बनाई जिसमें अंत्येष्टि के लिए ?5 हजार रु एवं सामान्य मृत्यु पर 2 लाख एवं दुर्घटना में मृत्यु होने पर ?4 लाख रु की सहायता दी जाती है। सरकार ने पीएम आवास, गैस कनेक्शन, तीर्थ दर्शन, लाडली लक्ष्मी योजना, लाडली बहना योजना जैसी अनेक योजनाएं चलाई है । मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के माध्यम से अब हर महिलाओं को 1250 रुपए की राशि मिल रही है एवं आगे जाकर इस राशि को 3 हजार कर दिया जाएगा।

अजाक्स की जिला बैठक संपन्न

ब्लॉक एवं तहसील अध्यक्ष को जिलाध्यक्ष मंदसौर द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किये

मंदसौर, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। दिनांक 08.10.2023 को अजाक्स कार्यालय मंदसौर पर संगठन की एक अति महत्वपूर्ण बैठक जिला अध्यक्ष श्री प्रहलाद कुमार सूर्यवंशी की अध्यक्षता में रखी गई। जिसमें ब्लॉक उपाध्यक्ष श्री रामनिवास सूर्यवंशी जिला सचिव मनोज कुमार धानिया जिला महासचिव श्री रामप्रसाद ईरवार, जिला महासचिव राधेश्याम बसेर, जिला महासचिव एफ.सी चौहान, जिला संयुक्त सचिव राकेश डांगी, जिला प्रवक्ता नितिन परमार, बगदीराम रैदास उपस्थित रहे।

संगठन की ओर से शैलेंद्र गोयल ब्लॉक अध्यक्ष मंदसौर, दिनेश सूर्यवंशी तहसील अध्यक्ष मंदसौर, सुखलाल सुनार्थी तहसील अध्यक्ष दलोदा, राजेंद्र कुमार चौहान ब्लॉक अध्यक्ष मल्हारगढ़, श्यामलाल उमरावत मल्हारगढ़ तहसील अध्यक्ष, जगदीशचंद्र सोलंकी ब्लॉक अध्यक्ष सीतामऊ, कारुलाल सूर्यवंशी तहसील अध्यक्ष सीतामऊ, दिलीप कुमार सोलंकी तहसील अध्यक्ष सुवासरा, अशोक कुमार यादव तहसील अध्यक्ष शामगढ़, भुवानीराम सिन्हा ब्लॉक अध्यक्ष गरोठ, सुरेश कुमार जजावरा तहसील अध्यक्ष गरोठ, घनश्याम मेहर तहसील अध्यक्ष भानपुरा, अजाक्स के संवैधानिक पद पर नियुक्त पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन मनोज कुमार धानिया ने किया एवं आभार रामनिवास सूर्यवंशी द्वारा व्यक्त किया गया।

भाजपा दलौदा मंडल की बैठक सम्पन्न

दलौदा, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष नानालाल अटोलिया के निर्देशानुसार भाजपा दलोदा मंडल की अति आवश्यक बैठक श्री ओम कृष्ण रिसोर्ट दलोदा पर आयोजित हुई बैठक में सर्वप्रथम पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर बैठक का शुभारंभ किया गया बैठक में स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष विकास सुराणा ने दिया बैठक को संबोधित करते हुए जिले के प्रभारी एवं सूरत के विधायक श्री विनोद मोरदिया ने कहा कि अब भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता चुनाव में लग जाए चुनाव की तैयारी चालू हो गई है अपने-अपने बूथ को मजबूत करना है और भारतीय जनता पार्टी प्रदेश एवं देश के नेतृत्व में जो कार्य 15 करनी कार्य हमको दिए हैं उन सभी कार्यों को करना है बैठक को भाजपा जिला उपाध्यक्ष शिवराज सिंह राणा ने संबोधित करते हुए 15 करनी कार्य बताएं साथ हि भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश पालीवाल ने भाजपा दलोदा मंडल द्वारा किए गए कार्यो की जानकारी दी इस अवसर पर मंच पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र सुराणा, मंडल महामंत्री गजेंद्र सिंह सिसोदिया, विनोद मालवीय, बैठक मंडल प्रभारी जनभागीदारी अध्यक्ष हेमंत धनोतिया थे अतिथियों का स्वागत भाजपा मंडल अध्यक्ष विकास सुराणा, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष भवानी प्रताप सिंह सिसोदिया, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष विजय टाटेड, पिछड़ा मोर्चा मंडल अध्यक्ष चंद्रशेखर अटोलिया, महिला मोर्चा मंडल महामंत्री श्रीमती सुमित्रा बैरागी ने किया इस अवसर पर बैठक में ईश्वर लाल पाटीदार, फतेह सिंह आंजना, चंद्रशेखर मंडलोई, हरिबल्लभ पाटीदार, कैलाश जैन, भाजपा पिछला मोर्चा जिला महामंत्री सुमित सेन, घनश्याम बगड़, नंदकिशोर माली, सौरभ राठी, भगवान सिंह आजना, बहादुर लाल पाटीदार, राधेश्याम जी बैरागी, सुरेश मीणा, श्याम बाबू तिवारी, धर्मचंद रातडिया, जीवन रातडिया, जगदीश पाटीदार, राजू कुमावत, विनोद धनोतिया, अजय शर्मा, भगवान सिंह भंडारिया, हार्दिक जैन, कार्तिक पाटीदार, दलोदा सरपंच श्रीमती दुर्गाबाई केथवास, अनिल केथवास, जगदीश शर्मा, कोमल चंद्र जैन, राजेंद्र सिंह शक्तावत, मुक्तेश्वर सिंह सगवाली, सहित भारतीय जनता पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे बैठक का संचालन भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष हेमंत धनोतीया ने किया आभार गजेंद्र सिंह सिसोदिया ने माना।

प्रदेश के 5 जिलों में गौ-वंश वन्य विहार के रूप में गौ-संरक्षण केंद्र विकसित हो रहे हैं-स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी

मंदसौर, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. गौ-पालन एवं पशुधन संवर्द्धन बोर्ड (गौ-संवर्द्धन बोर्ड) की कार्य परिषद् के अध्यक्ष स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि ने बताया है कि प्रदेश शासन की किसानों की फसल सुरक्षा एवं गौ-वंश संरक्षण नीति अन्तर्गत प्रदेश के मंदसौर, जबलपुर, रायसेन, टीकमगढ़ और खरगौन सहित 5 जिलों में गौ-मार्ग का निर्माण शुरू हो गया है। इन सभी 5 जिलों में वन क्षेत्र के समीप राजस्व भूमि चिन्हित कर उनमें गौ-वंश वन्य विहार विकसित करने एवं निराश्रित गौ-वंश की आवासीय व्यवस्था के लिये 'काऊ शेड' निर्माण का शुभारम्भ किया गया है।

रीवा जिले के पुर्वा सेमरिया के बसावन, मामा नामक स्थावन पर 51 एकड़ भूमि का चयन और उसे गौ-संरक्षण केंद्र के लिये आवंटित कर जहाँ 2017 में अधो-संरचनाओं का कार्य आरम्भ किया गया था, जो लगभग पूर्ण हो गया है। जिसका 'गौ-वंश वन्य विहार' के रूप में भव्य लोकार्पण अक्टूबर में हो गया है। इस गौवंश वन्य विहार में 6 हजार गौ-वंश को आश्रय दिया गया है। प्रदेश के सभी जिलों में 'जिला गौ-पालन एवं पशुधन संवर्द्धन' समितियों को जिले में गौ-वंश के समक्ष उपस्थित समस्या के समाधान हेतु गोठान निर्माण के लिये 'गौ-संवर्द्धन बोर्ड' द्वारा निर्देश जारी किये गये हैं। 'गौ-वंश वन्य विहार' में कार्य आरंभ करने वाले जिलों में प्रारम्भिक अधो-संरचना के लिये आर्थिक सहायता 'गौ-संवर्द्धन बोर्ड' ने अपनी ओर से भेज दी है। गौ-वंश वन्य विहारों में कार्य विस्तार की दृष्टि से 'मनरेगा' से सहायता देने का अनुरोध किया गया है।

समूह पेयजल प्रदाय योजनांतर्गत विकासखण्ड स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

जल जीवन मिशन एवं परियोजना क्रियान्वयन इकाई पर दी वृहद जानकारी

मंदसौर, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जल जीवन मिशन के अंतर्गत म.प्र. शासन की सबसे महत्वपूर्ण व जन कल्याणकारी योजना गांधी सागर 2 जल प्रदाय योजना की एक दिवसीय कार्यशाला म.प्र. जल निगम की सहयोगी संस्था (सीएएमपी) कम्युनिटी एक्शन थ्रु मोटीवेशन प्रोग्राम द्वारा सभाकक्ष जनपद पंचायत मल्हारगढ़ में सम्पन्न हुई।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सभी विभागों के आपसी समन्वय एवं सहयोग से कार्य योजना को गति देने का प्रयास रहा। इस कार्यशाला में जल जीवन मिशन के विभिन्न घटक, आयाम, म.प्र. जल निगम की भूमिका एवं सहयोगी संस्था के जन जागरूकता अभियान के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई एवं जानकारी दी गई। म.प्र. जल निगम के डिप्टी मैनेजर अमित तिवारी द्वारा परियोजना की लागत, लाभान्वित गांव परिवार एवं संचालन संधारण के महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी दी गई। वहीं सीएएमपी संस्थ के प्रोजेक्ट मैनेजर सुश्री यशस्वी उप्पल ने संस्था के कार्यों एवं भूमिका को स्लाईड शो के माध्यम से स्पष्ट किया। इस कार्यशाला में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, वन विभाग, जल संशाधन विभाग, एमपीआरडीसी, एमपीआरडीए, एमपीईबी, एमआरएचएम, लीड बैंकर्स आदि अन्य कई विभाग सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जनपद पंचायत मल्हारगढ़ अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा कन्हैयालाल पाटीदार, अनुविभागीय अधिकारी मल्हारगढ़ श्री विवके सोनगर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.सी. हालू, जनपद पंचायत मल्हारगढ़ के सभापति व जनप्रतिनिधि, म.प्र. जल निगम से डिप्यूटी मैनेजर अमित तिवारी, असिस्टेंट इंजीनियर चेतन शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंच संचालन सीएएमपी प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर यशवंत प्रजापति, ने किया। आभार सीएएमपी प्रोजेक्ट मैनेजर यशस्वी उप्पल ने माना।

आठ वारंटियों को पकड़कर राजस्थान पुलिस को किया सुपुर्द

पिपलियामंडी, 8 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। स्थानीय पुलिस ने 8 स्थाई वारंटी को पकड़कर राजस्थान पुलिस के सुपुर्द किया। जानकारी के अनुसार पिपलिया पुलिस ने थाना गढी जिला बाँसवाडा के स्थाई वारंटी नारू पिता मोहम्मद हुसैन निवासी बोतलगंज, थाना चित्तौडगढ के स्थाई वारंटी मुख्तियार पिता नवीन नूर निवासी बोतलगंज, थाना गंगरार जिला चित्तौडगढ राजस्थान के स्थाई वारंटी रहीम पिता शब्बीर डंडु निवासी बोतलगंज, थाना बिछीवाडा के स्थाई वारंटी मंजुर पिता शकुर नियारगर, थाना भिण्डर के स्थाई वारंटी जाफर पिता मुंशी डंडु निवासी बोतलगंज, थाना शंभुपुरा जिला चित्तौडगढ के स्थाई वारंटी अन्नु उर्फ अनवर पिता रसीद निवासी तुरकिया, थाना हिन्डोली जिला बुंदी के स्थाई वारंटी बबलु पिता रमेशचन्द्र भाटी जाति बावरी निवासी बोतलगंज, थाना गंगापुर जिला भीलवाडा के स्थाई वारंटी रज्जाक पिता अजीज न्यारगर पीपी निवासी बोतलगंज को अभिरक्षा में लिया गया तथा संबंधित राजस्थान राज्य के थानो को सूचना दी।

नवरात्रि में फायनल होगे...

पेज 1 से जारी

बैठक होना है। इसमें शेष सीटों पर चर्चा होगी। नामों के पैनल केन्द्रीय चुनाव समिति को भेजे जाएंगे। इसकी मुहर के बाद सूची जारी हो जाएगी। सूत्रों का कहना है कि दो किश्तों में सूची जारी होगी। पहली में उनके नाम होंगे जिन पर कोई आपत्ति नहीं है। बताया जाता है कि गरोठ-सुवासरा प्रत्याशी के नामों की घोषणा पहली सूची में ही हो जाएगी। बाकी मंदसौर और मल्हारगढ़ के लिए इंतजार करना होगा।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in